समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

75 लाख रुपये के ऑनलाइन बेटिंग फ्रॉड मे पुंणे के विशाल अनिल निर्मल गिरफ्तार

Publisher

Published on 28 Jan 2026

हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने एक बड़े ऑनलाइन फ्रॉड मामले में **पुणे (महाराष्ट्र)** के **विशाल अनिल निर्मल** को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने **ऑनलाइन बेटिंग और अवैध गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म** के ज़रिये लोगों को धोखा देकर लाखों रुपये का फ़ायदा उठाया।

पुलिस ने बताया कि 2021 से निर्मल और उनके सहयोगियों ने कई **ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट्स** (जैसे *ANGELBET777*, *GOEXCH777* और *WORLD777*) का इस्तेमाल करते हुए **लाखों रुपये के निवेश के वादों से लोगों को फँसाया**। शुरुआती समय में कुछ लोगों को छोटे-छोटे "नकली लाभ" दिखा कर उनकी **भरोसा जीतने** के बाद उन्हें अधिक पैसा निवेश करने के लिए उकसाया गया।

एक पीड़ित, जो सिकंदराबाद का निवासी है, ने शिकायत में बताया कि उसे शुरुआत में **₹10,000** डालने पर कम लाभ दिखाया गया, जिससे उसने विश्वास कर लिया और बाद में **लगभग ₹10 लाख तक निवेश कर दिया**। इसके बाद भी आरोपी ने उसे और भी प्लेटफ़ॉर्म पर पैसा डालने के लिए प्रेरित किया, और अंततः पीड़ित लगभग **₹55 लाख तक का नुकसान** उठा चुका था।

विशाल अनिल निर्मल पर यह आरोप है कि उन्होंने **सोशल मीडिया विज्ञापन और व्हाट्सएप संदेशों** के ज़रिये धोखाधड़ी को बढ़ावा दिया, **फ़ेक शेल कंपनियों के नाम पर दर्जनों बैकं खातों** का इस्तेमाल किया, और पैसा अलग-अलग "म्यूल" खातों में ट्रांसफर कर के **पुलिस की नज़र से बचने की कोशिश** की। पुलिस को अब तक **कम से कम 22 अलग-अलग साइबर फ्रॉड मामलों के बैकं खाते** इसी गिरोह से जुड़े मिले हैं।

जांच में पुलिस ने कई **लैपटॉप, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, डेबिट कार्ड, चेक बुक्स और शेल कंपनी के स्टैम्प** जब्त किये हैं, जो कथित रूप से धोखाधड़ी नेटवर्क से संबंधित हैं। पुलिस का कहना है कि **अन्य सहयोगियों की पहचान और गिरफ्तारी** के लिए भी छानबीन जारी है।

यह गिरफ्तारी एक और उदाहरण है कि कैसे साइबर अपराधी **लोगों को "आसान पैसा" का लालच देकर फँसाते है**, और पुलिस ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई कर रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.